

‘‘पिताश्री जी के पुण्य स्मृति दिवस तथा जनवरी मास के लिए विशेष सूचनायें’’

प्राणेश्वर अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही, सदा ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रख चलने वाले तीव्र पुरुषार्थी निमित्त टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - अभी हम सबके अति प्रिय पिताश्री ब्रह्मा बाबा की सम्पन्नता व सम्पूर्णता का अव्यक्ति मास, नया वर्ष (2025) समीप आ रहा है। बाबा के सभी बच्चे विशेष जनवरी मास में अन्तर्मुखी बन योग तपस्या करते हैं। साथ-साथ विशेष अपनी श्रेष्ठ मन्सा द्वारा प्रकृति सहित सर्व आत्माओं को शान्ति व शक्ति की किरणों सकाश रूप में देने की सेवा भी करते हैं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सबने शान्तिवन के ट्रेनिंग सेन्टर में बाबा के कमरे में 18 दिसम्बर से 18 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम को 6 बजे तक विशेष अखण्ड योग भट्टी रखी है, उसके लिए प्रतिदिन का स्वमान, योग अभ्यास, धारणा एवं चिंतन की प्वाइंट्स बोर्ड पर लिखी जा रही हैं। इस तपस्या के कार्यक्रम में अनेक भाई बहिनें अपनी स्व-इच्छा से योग अभ्यास करते हैं। हर एक यही लक्ष्य रखते कि 24 घण्टे में हमें कम कम से रोज़ 4 घण्टे बैठकर तपस्या करनी है। साथ-साथ मन, मुख और मोबाइल को भी मौन में रखना है।

आशा है कि सभी सेन्टर्स पर निमित्त बहनें इस अव्यक्ति मास में विशेष योग के कार्यक्रम अवश्य रखेंगी। जो यहाँ पर प्वाइंट्स दी जा रही हैं, उसकी कॉपी आपको भेज रहे हैं। सभी लक्ष्य रखें कि पूरा ही जनवरी मास हमें अन्तर्मुखी रह अलौकिक अनुभूतियां करनी हैं। सप्ताह में एक दिन पूरा समय मौन में भी रहना है। साथ-साथ प्रतिदिन 4 घण्टे योग में बैठने का लक्ष्य रखना है और अन्य 4 घण्टे मन के संकल्पों की ट्रैफिक को स्टॉप करने वा एकाग्र करने का अभ्यास करना है।

अभी समय प्रमाण बापदादा की जो आश है कि जल्दी से जल्दी परमात्म प्रत्यक्षता हो और सर्व आत्मायें अनेक प्रकार के दुःखों से मुक्त हो जाएं, तो हो सकता है कि हम सबकी इस संगठित रूप की तपस्या से आदि सो अन्त वाली सेवा (साक्षात्कार की) शुरू हो जाए और पूरे विश्व में जयजयकार का नारा बुलुन्द हो।

- 1) 18 जनवरी 2025, शनिवार के दिन सभी भाई बहिनें अपने-अपने लौकिक कार्य व्यवहार से विशेष छुट्टी ले, शक्तिशाली योग तपस्या में रहें वा अपने मन्सा की सकाश द्वारा विश्व की आत्माओं को शान्ति और शक्तियों का दान दें। विशेष अमृतवेले के वरदानी समय में 4 बजे से 4.45 तक योग अभ्यास में बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान कर वरदानों से अपनी झोली भरपूर करें और सारा ही दिन अन्तर्मुखी बन अव्यक्त-वतन की सैर करें।
- 2) मधुबन से 18 जनवरी के निमित्त विशेष शिक्षाओं भरे साकार वा अव्यक्त महावाक्यों की मुरली भेजी गई है, जिसे हर एक बहुत स्नेह से सुनते, स्वयं में समाते उसका स्वरूप बनने का लक्ष्य रखें।
- 3) मुरली सुनने के पश्चात् मीठे बापदादा को विशेष भोग स्वीकार कराया जाए तथा सेवाकेन्द्र पर ही दूध वा फल का नाश्ता लेकर सभी संगठित रूप में योग तपस्या करें।
- 4) शाम के समय प्यारे बापदादा की स्मृति में, मधुबन से जो अव्यक्त महावाक्य प्रसारित होते हैं, सभी संगठित रूप में विधिपूर्वक उन महावाक्यों का श्रवण करें तथा विशेष अव्यक्ति अनुभूतियां करें।
- 5) 19 जनवरी रविवार को ब्रह्मा बाबा के चरित्रों पर प्रकाश डालने निमित्त विशेष हॉल लेकर अथवा अपने-अपने सेवास्थानों पर सार्वजनिक कार्यक्रम भी रख सकते हैं। उसमें विशेष साइलेन्स का ऐसा शक्तिशाली चुम्बकीय वातावरण हो जो आने वाली आत्माओं को अपनी ओर स्वतः आकर्षित करे।
- 6) समाचार पत्रों में भी बापदादा के चरित्रों पर कोई लेख वा उनके द्वारा मिली हुई मुख्य शिक्षाओं को प्रकाशित कर सकते हैं। टी.वी. के माध्यम से भी यज्ञ इतिहास की, बापदादा के जीवन पर बनी हुई वीडियो प्रसारित कर सकते हैं।

अच्छा - सभी को बहुत-बहुत याद.. ओम शान्ति।